विषय-सूची

1. **भरतपुर : एक परिचय** 17

भौगोलिक स्थिति और बनावट, उत्पादन, खनिज और उद्योग-धंधे, राजधानी का नामकरण, भरतपुर जनपद के दुर्ग—लोहागढ़, विजयमन्दिरगढ़, बैर का किला, डीग का किला, कुम्हेर, स्थापत्य कला और धार्मिक विश्वास।

2. **जाटों की उत्पत्ति और इनका प्रारम्भिक इतिहास** 42

उत्पत्ति के क्रम में मान्यताएँ, प्रादुर्भाव, सिनसिनी के जाट।

3. **ब्रजमण्डल में जाटों का प्रवेश, विस्तार तथा क्रान्तिकारी प्रयास** 49

सिनसिनवार जाट, जाट समुदाय के क्रान्तिकारी प्रयास, महावन परगनान्तर्गत जाटों का विद्रोह, जाटों पर राजस्व नीति का कुप्रभाव, ब्रजमंडल पर अत्याचार, हिण्डौन परगने में उपद्रव।

4. **गोकुला जाट का उत्कर्ष (1657-1670)** 58

ब्रजमंडल में अराजकता, वीर पुरुष गोकुला जाट, मुगल फौजदारों में टक्कर, तिलपत का युद्ध, जाट सरदार गोकुला का बलिदान।

5. **राजाराम जाट और मुगल सत्ता (1670-1688)** 66

राजाराम के पूर्वज, जाऊ की गढ़ी पर राजाराम का आक्रमण, मुगल सत्ता को चुनौती, भज्जा तथा जोरावर।

6. **जाट गढ़ियों का घेरा और पतन** 74

सिनसिनी दुर्ग का घेरा, दूसरा युद्ध दिसम्बर, 1690 से मई, 1691

7. **संकटवीर जाट—ठाकुर चूरामनसिंह** 79

ठाकुर चूरामन का प्रारम्भिक काल, सवाई जयसिंह का धूनगढ़ी पर आक्रमण, फर्रुखसियर का पतन, चूरामन द्वारा आगरा के नायब फौजदार की हत्या, बदन सिंह का विरोध चूरामन की भयंकर गलती, ठाकुर चूरामन की मृत्यु, चूरामन के चारित्रिक गुण, विशेष टिप्पणी, मोहकम सिंह द्वारा भाई बदनसिंह को बंदी बनाना, बदनसिंह का पलायन और सूरजमल की शादी, धूनगढ़ का घेरा और पतन।

8. **ठाकुर बदनसिंह (1723-56)** 97

विकास की ओर, डीग दुर्ग का निर्माण, ठाकुर बदनसिंह की मृत्यु।

9. **महाराजा सूरजमल (1756-1763)** 102

महाराजा सूरजमल का जन्म, सूरजमल का प्रारम्भिक जीवन, सात महारथियों के मध्य सूरजमल (बगरू का युद्ध), मुगलों के साथ सूरजमल की पहली टक्कर, किशोरीबाई से विवाह, सूरजमल और वजीर सफदरजंग, वल्लभगढ़ के जाटों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दिल्ली में गृहयुद्ध।

10. **जाट राजा सूरजमल का मराठों से संघर्ष** 118

कुम्हेर दुर्ग का घेरा, बादशाह अहमदशाह की गिरफ्तारी।

11. **जाटों के विरुद्ध अहमदशाह दुर्रानी का अभियान** 124

गाजीउद्दीन का समर्पण, गाजीउद्दीन और मराठों के साथ सूरजमल की मैत्री, अहमदशाह दुर्रानी का पुनः भारत आना, सूरजमल का मराठों को सहयोग, दुर्रानी की सूरजमल पर निगाह।

12. **महाराजा सूरजमल की निराशा और सूर्यास्त** 132

शाह की लूट का माल, मराठे पुनः उत्तर की ओर, मराठों का सूरजमल से मिलना, दिल्ली विजय, सूरजमल का भरतपुर लौटना, जाट राजा की उदारता, अफगानों का सूरजमल से विरोध, सूरजमल की आगरा-हरियाणा विजय, आगरा पर कब्जा, जाट सेना हरियाणा में। सूरजमल का अन्तिम युद्ध (1763), घमासान, महाराजा सूरजमल का राज्य।

13. **महाराजा सवाई जवाहर सिंह 'भारतेन्दु' (1764-1768)** 146
प्रारम्भिक जीवन, भाइयों का विवाद, जवाहर सिंह की स्थिति, प्रतिशोध का युद्ध, जयसिंह द्वारा विद्रोही सरदारों का दमन, जवाहर सिंह और दादा रघुनाथ राव का युद्ध (1767), जवाहर सिंह के सैनिक अभियान, पुष्कर यात्रा, मावड़ा का युद्ध, जवाहर सिंह की बढ़ती मुसीबतें, जाट राजा की हत्या, महाराजा जवाहर सिंह का चरित्र

14. **महाराजा रतनसिंह (अप्रैल, 1768-1769)** 165

15. **महाराजा केहरीसिंह (1769-1776)** 168
सौरव-अडिंग की लड़ाई, मुगलों की बढ़त, जाटों का युद्ध, नवलसिंह का पतन।

16. **महाराजा रणजीतसिंह (1776-1805)** 174
नजफखाँ द्वारा डीग का घेरा, डीगगढ़ का पतन, रणजीत सिंह का पुनः प्रयास, रणजीतसिंह का समर्पण, महारानी किशोरीबाई की दूरदर्शिता, बयाना दुर्ग का पतन, अंग्रेजों के वर्चस्व की लड़ाई, राजा रणजीत सिंह की अंग्रेजों से सन्धि, होल्कर के पक्ष में खड़ा होना, अंग्रेजों द्वारा जाट राजा की खुशामद, यशवंतराव होल्कर डीग में, भरतपुर का ख्याति प्राप्त युद्ध।

17. **महाराजा रणधीर सिंह एवं रियासत के उत्तराधिकारी (सन् 1805 से 1947)** 191

परिशिष्ट

1. **भरतपुर के जाट शासकों का सज़ला** 195
2. **भरतपुर का राजवंश** 197
3. **दिल्ली के मुगल बादशाह** 198
4. **बंगाल और भारत के ब्रिटिश गर्वनर जनरल** 199
5. **भरतपुर के जाट शासकों की अंग्रेजों के साथ की गई सन्धियाँ** 200
6. **जाटों के प्रमुख गौत्र** 201

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची 203